

महाकौशल विज्ञान परिषद् द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की वार्षिक विवरणिका

01 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024



क्र.	शीर्षक, दिनांक, अतिथि, प्रतिभागियों की संख्या, स्थान, सारांश एवं कार्यक्रम से संबंधित चित्र	
1.	शीर्षक	: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस
	दिनांक	: 11–12 मई 2023
	अतिथि	: डॉ. पी. के. मिश्रा जी, डॉ. नितिन कुलकर्णी जी, डॉ. अपरुपदास जी, श्री वेदप्रकाश जी एवं डॉ. निपुण सिलावट जी
	प्रतिभागियों की संख्या	: 350
	स्थान	: शासकीय कलानिकेतन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)
	<p style="text-align: center;">सारांश</p> <p>राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें पहले दिन विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई जिसका उद्घाटन डॉ.पी.के. मिश्रा कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, नितिन कुलकर्णी निर्देशक (TFRI) डॉ. आर.सी. पाण्डेय कॉलेज प्राचार्य द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों के बीच नई—नई स्पर्धा आयोजित की गई जिसमें निबंध प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें लगभग 350 विद्यार्थियों ने भाग लिया द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों के मध्य वैज्ञानिक व्याख्यान भी आयोजित किया गए। जिसमें डॉ. मुकेश रॉय सहायक प्राध्यापक (IIITDM) एवं इंजी. के.सी. शर्मा, अति. मुख्य अभियंता (NPCIL) के क्रमशः व्याख्यान हुए। इसके बाद समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि डॉ. निपुण सिलावट प्रधान वैज्ञानिक (MPCST) ने प्रौद्योगिकी दिवस पर प्रकाश डाला एवं भारत द्वारा किये गये परमाणु परीक्षण का महत्व बताया। विशिष्ट अतिथि डॉ. अपरुप दास डायरेक्टर एवं श्री वेद प्रकाश पूर्व कमिश्नर में कहा कि हमें तकनीकि का गुलाम नहीं होना है, भारत में कोरोना काल में वैक्सीन बनाना एवं अन्य देशों की सहायता करना यह दर्शाता है, कि भारत तकनीकि रूप से पहले से सक्षम था। इन तकनीकि आर्टीफीशियल इंटेलीजेस का समय है। समापन समारोह में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किये गए एवं सभी विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।</p> <p>कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुक्ता भटेले द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. सुनिता शर्मा, इंजी. प्रभात दुबे, श्रीमति एंजलीना पांडे, श्री विवेक चतुर्वेदी, श्रीमति प्रतिभा गंगवार, श्री संजय शर्मा, डॉ. अनुपम चौधरी, श्री आर.सी. गुप्ता, डॉ. ज्योति गुप्ता, श्रीमति शुचिना मुदगिल, श्री आर.सी. गुप्ता, श्री संजय घई, प्रभाकर, अरुण पिल्ले आदि उपस्थित थ।</p>	

कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र



विद्यार्थी नवोन्मेष करें और उनका पेटेंट कराएं



आयोजन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का समापन समारोह, विद्यार्थियों को किया समाप्ति

नाभिकीय ऊर्जा के बारे में फैली भ्रातियों का किया निराकरण

स्टेट संविदादाता, झज्जुर

आज गणतान्त्रिकीय प्रौद्योगिकी दिवस पर जो भविकालिन विज्ञान परिषद् प.प्र. विभाग एवं प्रौद्योगिकी परिषद् भोजपुर एवं शासकीय कला विकास पालिटेक्निक कालेज जबलपुर के संसुक तत्वाधार में आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को संवादांश करते हुए डॉ. एस. के. सी. झज्जुर एवं लेफ्ट हॉनरीयर चुटुकी में कहा कि न्यूक्लियर इनजी के विभिन्न क्षेत्रों में जैसे मोड़ोल, कृषि, विक्रम के रासायनिक तत्वों की विविधता है, उन्होंने न्यूक्लियर इनजी के बारे में फैली भ्रातियों का निराकरण की।



ज्ञ. मुकेश राय प्राच्यापात्र वर्मा में विजित के सिद्धांतों पर आयोजित रोपण प्रयोग स्थाय के द्वारा निर्मित भवेत् द्वारा किया गया। इस असर पर श्री. सुनील शर्मा, डॉ. प्रभात प्रसाद वैद्यनाथ म.प्र. विज्ञान एवं प्रकाश काला एवं प्राचीन काला विभागों के प्रधान भोजपुर एवं धारा किये गए परमाणु संबंध का नकारात्मक विवरण की। विद्यार्थियों के द्वारा विभिन्न प्रतिनिधित्व आयोजित की गई। व्याकुल विद्यार्थियों का उत्कृष्ट विराग किया गया।

2.	शीर्षक	:	स्वर्गीय जयंत जी की पुण्यस्मृति में वृक्षारोपण
	दिनांक	:	6 जून 2023
	स्थान	:	सरदार पटेल लॉ कॉलेज, जबलपुर (म.प्र.)
			सारांश
<p>महाकोशल विज्ञान परिषद द्वारा आज विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री स्वर्गीय श्री जयंत सहस्रबुद्धे जी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ता बंधुओं ने माननीय जयंत जी के सरल, सहज व्यक्तित्व, संगठन के प्रति समर्पण एवं सभी के प्रति प्रेम भाव का स्मरण किया।</p>			
कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र			
   			
			

3.	शीर्षक	:	आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रे जयंती
	दिनांक	:	9 अगस्त 2023
	अतिथि	:	डॉ. मुकेश कुमार राय, डॉ. सुनीता शर्मा , डॉ. मुक्ती भटाले , श्रीमति किरण राव
	प्रतिभागियों की संख्या	:	150
	स्थान	:	सी. एम. राइज स्कूल, गढ़ा, जबलपुर (म.प्र.)
सारांश			
महाकौशल विज्ञान परिषद प्रतिवर्ष आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रे की जयंती मनाता है जिसके क्रम में इस वर्ष यह आयोजन सी.एम.राइज विद्यालय, जबलपुर में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. मुकेश राय, सहायक प्राध्यापक (IIIITDM) द्वारा आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रे के जीवन की यात्रा पर उद्बोधन दिया गया उन्होंने कहा कि आचार्य रे भारत के महान रसायन विज्ञान के साथ – साथ अच्छे शिक्षक भी थे। देश भवित की भावना से ओतप्रोत भारत में औद्योगिक क्रांति के सूत्रधार भी थे। इस कार्यक्रम में लगभग 150 विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।			
कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र			
			
			<p>रसायन विज्ञान के क्षेत्र में राय का योगदान अतुलनीय</p> <p>आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रे जयंती अवसर समारोह विज्ञान प्राध्यापक, सी.एम.राइज विद्यालय द्वारा विद्यालय एवं प्रशिक्षितों की प्रतीक्षा के संस्कार तत्त्वानामे में किया गया। इस अवसर पर स्वतन्त्र के विद्यार्थी ने अपने शुल्क वाले विद्यार्थी के लिए जोगन परिषद पर धनादान किया। विद्यार्थी में मुख्य अधिकारी डॉ. मुकेश राय द्वारा विद्यार्थी के लिए जोगन किया गया। यह विद्यार्थी में विद्यार्थी का अवसर समारोह द्वारा गमन गत तारीख द्वारा विद्यालय एवं प्रशिक्षितों के लिए दिया गया। इस अवसर पर स्वतन्त्र के विद्यार्थी ने अपने शुल्क वाले विद्यार्थी के लिए धनादान किया। विद्यार्थी में मुख्य अधिकारी डॉ. मुकेश राय द्वारा विद्यार्थी के लिए जोगन किया गया। यह विद्यार्थी में विद्यार्थी का अवसर समारोह द्वारा गमन गत तारीख द्वारा विद्यालय एवं प्रशिक्षितों के लिए दिया गया। इस अवसर पर उदायबाबू गोविंद पाटकर, डॉ. मुकेश राय, कल्पना दुबी, शिवांगी विद्यार्थी को विदान में आगे बढ़ने के लिए श्रीमति किरण राव, डॉ. सुनीता शर्मा, डॉ. मुक्ती भटाले, श्रीमति किरण राव, डॉ. मुकेश राय, सहायक प्राध्यापक (IIIITDM) द्वारा आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रे की यात्रा पर उद्बोधन दिया गया। उन्होंने कहा कि आचार्य रे भारत के महान रसायन विज्ञान के साथ – साथ अच्छे शिक्षक भी थे। देश भवित की भावना से ओतप्रोत भारत में औद्योगिक क्रांति के सूत्रधार भी थे। इस कार्यक्रम में लगभग 150 विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।</p>

4.	शीर्षक	:	साइंस स्कूल कार्यशाला
	दिनांक	:	10 अगस्ताद 2023
	अतिथि	:	डॉ. पी.के. दुबे, डॉ. वीणा बाजपेयी, डॉ. के.के. कुशवाहा , डॉ. एस. के. महोबिया, डॉ. सुनीता शर्मा
	प्रतिभागियों की संख्या	:	100
	स्थान	:	जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, जबलपुर (म.प्र.)
	सारांश		
	<p>कार्यक्रम में डॉ. कमल कुशवाह ने ऑप्टिक्स, मैकेनिक्स, इलेक्ट्रोस्टेटिक, मार्डन भौतिकी के कम लागत पर तैयार किए गए प्रयोग मॉडल ने विज्ञान की रोचकता बढ़ाई। इस मौके पर वीणा बाजपेयी, प्रमोद श्रीवास्तव, डॉ. पी के दुबे मौजूद, डॉ. एस के महोबिया, मौजूद थे।</p>		
	कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र		
			

5.	शीर्षक	:	चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग
	दिनांक	:	23 अगस्त 2023
	अतिथि	:	श्री विनोद जी, डॉ. के सी शर्मा, डॉ. सुनीता शर्मा, इंजी. प्रभात दुबे, डॉ. आदित्य मिश्रा, डॉ. मुकेश राय,
	प्रतिभागियों की संख्या	:	400
	स्थान	:	नाना जी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)
	<p style="text-align: center;">सारांश</p> <p>चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (शार), श्रीहरिकोटा से 14 जुलाई, 2023 शुक्रवार को भारतीय समय अनुसार दोपहर 2:35 बजे हुआ था। यह यान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास की सतह पर 23 अगस्त 2023 को भारतीय समय अनुसार सायं 06:04 बजे के आसपास लैंड होना था। ऐतिहासिक घटना को लाइव देखने का कार्यक्रम महाकौशल विज्ञान परिषद के द्वारा वेटनरी महाविद्यालय में रखा गया था जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थी, प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में महाकौशल विज्ञान परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महाकौशल विज्ञान परिषद के सदस्यों ने तथा विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह से प्रसारण को देखा। बीच बीच में भारत माता को जय के नारे लगते रहे एवं लैंडर के चंद्रमा के सतह पर उतरने के साथ ही भारत माता की जय, मेरा भारत अमर रहे के उद्घोष से हॉल गूंज उठा।</p> <p style="text-align: center;">कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र</p>		
	 		
	<p>धरती का संकल्प, चांद पर साकार</p> <p>TheHitavada Jabalpur City Line 2023-08-24 Page- 4 ehitavada.com</p> <p>Vet Science College students witness India's historic moment in live telecast</p> <p>रंगदर्शक द्वारा</p> <p>कृतिवि में देखा गया चंद्रयान - तीन लैंडिंग का लाइव प्रसारण</p> <p>धरती का संकल्प, चांद पर साकार</p> <p>रंगदर्शक द्वारा</p> <p>कृतिवि में देखा गया चंद्रयान - तीन लैंडिंग का लाइव प्रसारण</p>		

6.	शीर्षक	:	जिज्ञासा कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन
	दिनांक	:	11 सितंबर 2023
	अतिथि	:	डॉ. के. डी. मिश्रा (VC RDVV), डॉ. पी.के. मिश्रा (VC JNKVV), डॉ. अशोक खंडेलवाल (VC Medical University), डॉ. के. सी. शर्मा, डॉ. राजीव चांडक, डॉ. सुनीता शर्मा, इंजी. प्रभात दुबे,
	प्रतिभागियों की संख्या	:	300
	स्थान	:	जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, जबलपुर (म.प्र.)
	सारांश		
	<p>जिज्ञासा महाकौशल विज्ञान परिषद का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जिसे समाज विशेषकर विद्यार्थियों में भारतीय विज्ञान प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, उक्त कार्यक्रम को मुख्य कार्यक्रम के पूर्व आयोजित कर कार्यक्रम स संबंधित समस्त जानकारी साँझा की गयी एवं कार्यक्रम में पोस्टर का विमोचन किया गया।</p> <p style="text-align: center;">कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र</p>		

७.	शीर्षक	:	स्वामी विवेकानन्द पर व्याख्यान एवं पुस्तक प्रदर्शनी
	दिनांक	:	26 सितंबर 2023
	अतिथि	:	स्वामी सत्त्वानन्द, डॉ. ए.एल. महोविया और डॉ. सुनीता शर्मा।
	प्रतिभागियों की संख्या	:	100
	स्थान	:	साइंस कॉलेज, जबलपुर (म.प्र.)

सारांश

स्वामी विवेकानन्द करियर एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ शासकीय विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर एवं महाकौशल विज्ञान परिषद द्वारा रामकृष्ण मिशन के 125 वर्ष पूर्ण होने की उपलक्ष्मि में स्वामी विवेकानन्द पर व्याख्यान एवम् पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। स्वामी स्वत्मानन्द जी जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज की पूर्व विद्यार्थी एवं पद पर कार्य कर चुके हैं। इसरो में वैज्ञानिक के पद पर कार्य करने के दौरान स्वामी विवेकानन्द मिशन से जुड़े एवं अब समाज को विवकानन्द के आदर्शों के बारे में जागृत कर रहे हैं। उन्होंने अपने भाषण में बताया कि स्वामी विवेकानन्द ने 40 वर्ष की अव्यु भी ही इतने महत्वपूर्ण काम किया है कि वह आज भी विश्व को मार्गदर्शन कर रहा है। विवेकानन्द हमेशा युक्ति युक्त विचार एवं वैज्ञानिक सोच रखते थे, बचपन से ही उनकी मेघा शक्ति बहुत तीव्र थी उनके अंदर मजबूत लीडरशिप क्वालिटी थी सघुडसवारी, नाव चलाना इन सभी गुणों से संपन्न थे। विवेकानन्द जी ने देश-विदेश के प्रसिद्ध विद्वानों की पुस्तकों का अध्ययन किया एवं राम कृष्ण परमहंस जैसे गुरु के संपर्क में आकर वह नरेंद्र से विश्व को दिशा दिखाने वाली विवेकानन्द बने। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए.एल. महोबिया ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है हमारे विद्यार्थी विवेकानन्द के विचारों से प्रेरणा लें एवं अपने अंदर जीवन मूल्यों को समाहित करें। कार्यक्रम की जानकारी प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. जे. वाजपेई ने दी एवं कौशल विज्ञान परिषद के अध्यक्ष डॉ. सुनीता शर्मा ने अतिथियों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया एवं धन्यवाद ज्ञापन किया इस दौरान कार्यक्रम में डॉ. चंदेल, डॉ. चेतना राणा अग्निहोत्री, डॉ. मृदुला सिंह, डॉ. आर के श्रीवास्तव एवं श्री वीरेंद्र साकेत जी का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र



8.	शीर्षक	:	जिज्ञासा कार्यशाला (प्रथम दिवस) उद्घाटन समारोह
	दिनांक	:	3 अक्टूबर 2023
	अतिथि	:	डॉ. नीरज सत्या, डॉ. एस. पी. गौतम, डॉ. भारतेन्दु कमार सिंह, डॉ. कपिल देव मिश्रा, डॉ. सुनीता शर्मा डॉ. निपुण सिलावट
	प्रतिभागियों की संख्या	:	500
	स्थान	:	IIT DM, जबलपुर (म.प्र.)
	<p style="text-align: center;">सारांश</p> <p>भारत की गौरवशाली विज्ञान परम्परा एवं विद्यार्थियों के मानस पटल को वैज्ञानिक दृष्टि देने के लिए महाकौशल विज्ञान परिषद प्रतिवर्ष इस कार्यशाला का आयोजन करती है। इस वर्ष इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि श्री नीरज सत्य (वैज्ञानिक इसरो) थे। जिन्होंने हाल ही में सफल चन्द्रयान - 3 में थर्मल डिजाइनिंग का कार्य किया था। उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि चन्द्रयान - 3 पूर्णतः स्वदेशी है और हम विश्व के पहले देश बन गये हैं, जिसने चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैडिंग की है। उद्घाटन सत्र में 500 विद्यार्थी, प्राध्यापक, शोधार्थी एवं समाज के प्रभुत्वजन उपस्थित रहें।</p> <p style="text-align: center;">कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र</p>		

9.	शीर्षक	:	जिज्ञासा कार्यशाला (द्वितीय दिवस)
	दिनांक	:	4 अक्टूबर 2023
	अतिथि	:	डॉ. वेद प्रकाश सिंह, इंआर. गुमाश्ता, डॉ. मुकेश कुमार रॉय, इ. के. सी.शर्मा, डॉ. सुनीता शर्मा
	प्रतिभागियों की संख्या	:	250
	स्थान	:	साइंस कॉलेज, जबलपुर (म.प्र.)

सारांश

जिज्ञासा कार्यशाला का द्वितीय दिवस जिसमें स्कूल तथा कॉलेज के विद्यार्थियों के विज्ञान मॉडल प्रतियोगिताएं एवं स्कूल के विद्यार्थियों के लिये किंवज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन में 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें 10 कॉलेजों के एवं 11 स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। न्यूकिलयर पॉवर कॉर्पोरेशन चुटका जबलपुर के द्वारा एक चलित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। डॉ. वेद प्रकाश सिंह, वैज्ञानिक मौसम का संचालन डॉ. अरुण ककड़ ने किया।

कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र



जिज्ञासा कार्यशाला के दूसरे दिन प्रथन प्रतियोगिता का आयोजन



महाकौशल विज्ञान परिषद् एवं म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा आयोजित जिज्ञासा कार्यशाला का द्वितीय दिवस था। जिसमें स्कूल तथा कॉलेज के विद्यार्थियों के विज्ञान मॉडल प्रतियोगिताएं एवं स्कूल के विद्यार्थियों के लिये किंवज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन में 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें 10 कॉलेजों के एवं 11 स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। न्यूकिलयर पॉवर कॉर्पोरेशन, चुटका जबलपुर के द्वारा एक चलित प्रदर्शनी का आयोजन की गयी। डॉ. वेद प्रकाश सिंह, वैज्ञानिक मौसम विज्ञान, जबलपुर का जलवाया परिवर्तन एवं उसका भवित्व पर प्रभाव विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। विस्तरे उन्नीस बालाया कि पृथ्वी के तापमान में लगातार चढ़ रहे हैं। जलवाया में परिवर्तन के कारण जल, सूखा, समुद्र के स्तर में बढ़ वीमारियों का फैलन देखा जा रहा है। हमें पानी एवं विज्ञान का सहयोग करना चाहिए। एवं ऐसे कार्य करना जिसमें विजेता एवं यानी की बचत हो सके। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुण ककड़ ने किया एवं आयोजन की संचालन डॉ. सूनीता शर्मा ने किया। इस अस्से पर एस.पी.सी. आई.एस. के औपचारिक भूमिका देखा जाएगा। डॉ. शर्मा, डॉ. मुकेश कुमार रॉय ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया।

जिज्ञासा कार्यशाला में शामिल हुए कॉलेज और स्कूली छात्र



■ जबलपुर, (नव रवदेश)। महाकौशल विज्ञान परिषद् एवं म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा आयोजित जिज्ञासा कार्यशाला का द्वितीय दिवस था। जिसमें स्कूल तथा कॉलेज के विद्यार्थियों के विज्ञान मॉडल प्रतियोगिताएं एवं स्कूल के विद्यार्थियों के लिये किंवज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन में 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें 10 कॉलेजों के एवं 11 स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। न्यूकिलयर पॉवर कॉर्पोरेशन, चुटका जबलपुर के द्वारा एक चलित प्रदर्शनी का आयोजन की गयी। डॉ. वेद प्रकाश सिंह, वैज्ञानिक मौसम विज्ञान, जबलपुर का जलवाया परिवर्तन एवं उसका भवित्व पर प्रभाव विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। विस्तरे उन्नीस बालाया कि पृथ्वी के तापमान में लगातार चढ़ रहे हैं। जलवाया में परिवर्तन के कारण जल, सूखा, समुद्र के स्तर में बढ़ वीमारियों का फैलन देखा जा रहा है। हमें पानी एवं विज्ञान का सहयोग करना चाहिए। एवं ऐसे कार्य करना जिसमें विजेता एवं यानी की बचत हो सके। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुण ककड़ ने किया एवं आयोजन की संचालन डॉ. सूनीता शर्मा ने किया। इस अस्से पर एस.पी.सी. आई.एस. के औपचारिक भूमिका देखा जाएगा। डॉ. शर्मा, डॉ. मुकेश कुमार रॉय ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया।

11.	शीर्षक	:	जिज्ञासा कार्यशाला (चतुर्थ दिवस)
	दिनांक	:	6 अक्टूबर 2023
	अतिथि	:	डॉ. रोजश गुप्ता, डॉ. मुकेश कुमार राय, डॉ. सुरेंद्रसिंह,
	प्रतिभागियों की संख्या	:	200
	स्थान	:	विभान भवन, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

सारांश

चतुर्थ दिवस स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए विषय “अंतरिक्ष में भारत” पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें शहर के विभिन्न स्कूल तथा कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाषण के माध्यम से अपने विचार रखे। कविता एवं विज्ञान गाथा प्रतियोगिता रामचरित मानस में विज्ञान तथा भारत का विज्ञान में योगदान विषय पर आयोजित हुई। जिसमें लघुनाटिका के माध्यम से भी विद्यार्थियों ने रामचरितमानस में विज्ञान की प्रस्तुति की। प्रतियोगिताओं में 200 विद्यार्थियों भाग लिया।

व्याख्यान सत्र में डॉ. मुकेश राय प्राध्यापक ने भौतिक शास्त्र के सिद्धांतों को प्रदर्शित करते हुये अपने बनाये हुए इंस्ट्रमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों के समक्ष प्रयोग के माध्यम से विभिन्न सिद्धांतों को समझाया। जिनमें घर्षण, बल का प्रयोग घूर्णन की विधि ऊँचाई से गिरने के नियम एवं अन्य सिद्धांत एवं अन्य कई सिद्धांतों को अपने प्रयोगों से समझाया। विद्यार्थियों को आकर्षित करने वाला प्रयोग विद्यार्थियों के द्वारा ही करवाये गये जिसमें विद्यार्थियों ने बहुत दिलचस्पी दिखाई।

कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र





12.	शीर्षक	:	पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह, जिज्ञासा कार्यशाला (पंचम दिवस)
	दिनांक	:	7 अक्टूबर 2023
	अतिथि	:	डॉ. अनुराग कुमार, श्री प्रवीण रामदास, डॉ. अनिल कोठारी, डॉ. ब्रजेश पांडे, डॉ. शिल्पा पांडे, डॉ. आलोक जैन, घनश्याम सोनी, डॉ. पी.के. झिंगे और डॉ. सुनीता शर्मा।
	प्रतिभागियों की संख्या	:	500
	स्थान	:	जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, जबलपुर (म.प्र.)
	सारांश		
	<p>03 से 07 अक्टूबर 2023 तक आयोजित जिज्ञासा विज्ञान लोक व्यापीकरण की राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन जबलपुर इंजी. महाविद्यालय में आज सम्पन्न हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अनुराग कुमार निदेशक साइंस सिटी कोलकाता ने विद्यार्थियों से कहा की विद्यार्थी असफलता से ना डरें। श्री प्रवीण रामदास राष्ट्रीय सचिव विज्ञान भारतीय कहा कि जिज्ञासा कार्यक्रम के आयोजन का लगातार 17वां वर्ष है यह एक ऐसा मंच है जो विद्यार्थियों को देश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिकों से मिलने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम में डॉ. शिल्पा पाण्डेय वैज्ञानिक बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट का फौसिल और उनका महत्व एवं डॉ. ब्रजेश पाण्डेय निदेशक इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी के डायरेक्टर का चंद्रयान 01 से चंद्रयान 03 तक की यात्रा का वृत्तांत दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. अनिल कोठारी निदेशक मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् भोपाल, डॉ. पी.के. झिंगे प्राचार्य जबलपुर इंजी. कालेज, डॉ. घनश्याम सोनी जिला शिक्षा अधिकारी, डॉ. अलोक खरे प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड जबलपुर, मंचासीन रहे। 05 दिवसीय कार्यक्रम की रिपोर्ट डॉ. सुनीता शर्मा, संचालन डॉ. मुक्ता भटेले एवं धन्यवाद ज्ञापन इंजी. प्रभात दुबे ने किया। कार्यशाला में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में से चयनित विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किये गये। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. कमल कुशवाहा, डॉ. सुजीत महोबिया का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. मुकेश राय, महाविद्यालय के प्राध्यापक, स्कूल के शिक्षक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।</p>		

कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र



Govt Science College students bag second position in Jigsaya 2023 Model Competition

■ Staff Reporter

IN A remarkable display of innovation and commitment to sustainability, a team of students from Government Science College claimed second position in the college-level competition organized by the Academic Committee under the theme of 'Antarksh Me Atmanirvarsh Bhanat'. The event showcased intellectual prowess and creative thinking, reflecting the innovative approach of these young minds. Under the guidance and leadership of Principal Dr A. L. Mahabola and NSS Programme Officer Dr Rashtra Sanchez, talented students Chaitanya, Bhavesh, Priyanshu Kosta and Shri Dutta Choudhary designed an e-Waste recycling model focusing on a circular economy. This model also emphasized efficient recycling of plastic residue obtained during recycling process, contributing to

Winner participants proudly displaying their certificates.

a cleaner and more sustainable future. The competition attracted participants from various educational institutions who showcased their innovative and research-oriented projects aimed at bolstering India's self-reliance in the realm of space and technology.

Students from Government Science College received accolades for their outstanding projects. One such project, titled "Amitabhi - An Interdisciplinary Approach to the theme of Antimicrobial Me Atmanirbhar Bharat" but also addresses pressing concern of e-waste management and plastic recycling. Their dedication and hard work were evident as they secured the 2nd position in the college category. This remarkable achievement reflects not only the potential of the students but also the commitment of Government Science College towards nurturing talent and fostering innovation in pursuit of a self-reliant and sustainable future. The Principal expressed his pride in the young minds for their outstanding performance and their dedication to making a positive impact on society through their innovative model.

Powered by iDocuments



विद्यार्थी असफलता से ना डरें, डटकर मेहनत करें



13.	शीर्षक	:	विज्ञान भारती स्थापना दिवस
	दिनांक	:	21 अक्टूबर 2023
	अतिथि	:	डॉ. वी.के. रैना, डॉ. सुनीता शर्मा, इंजी. प्रभात दुबे, डॉ. आर.एस. चंदोक, श्री अंकित राय और डॉ. मुक्ता भटेले
	प्रतिभागियों की संख्या	:	60
	स्थान	:	श्री तेग बहादुर खालसा कॉलेज, जबलपुर (म.प्र.)
	<p style="text-align: center;">सारांश</p> <p>महाकौशल विज्ञान परिषद यूकि विज्ञान भारती की प्रांतीय इकाई है। इसलिए महाकौशल विज्ञान परिषद प्रतिवर्ष विज्ञान भारती स्थापना दिवस का आयोजन करती है। इस वर्ष यह कार्यक्रम श्री तेगबहादुर खालसा महाविद्यालय में आयोजित किया गया। जिसमें विज्ञान भारती के अजीवन सदस्य उपस्थित रहे। विज्ञान भारती के प्रांत संगठन मंत्री अंकित राय ने विज्ञान भारती की स्थापना से लेकर वर्तमान यात्रा तक का विषय संक्षिप्त में रखा। इस अवसर पर नये सदस्यों को प्रमाण पत्र भी वितरित किये गये। इस कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों की संख्या लगभग 60 रही।</p> <p style="text-align: center;">कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र</p>		

14	शीर्षक	:	एडवांसेस एंड इन्वेशंस इन बायोटेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल बायो रिसोर्स्स एंड बायो इकोनामी
	दिनांक	:	22 नवम्बर 2023
	अतिथि	:	डॉ. भास्कर भट्टाचार्य, प्रो. अशोक पांडे, डॉ. सुनीता शर्मा, प्रो. सुनील खनाल, प्रो. रेनू बुडवा, प्रो. एमओएच. तेहर जादेह, प्रो. क्रिस्टो बाल एन एगुलर श्री अंकित राय और श्री बी पी सोनी।
	प्रतिभागियों की संख्या	:	400
	स्थान	:	ए के एस विश्वविद्यालय, सतना (म.प्र.)

कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र



15.	शीर्षक	: विद्यार्थी विज्ञान मंथन राज्य स्तरीय कैम्प
	दिनांक	: 17 दिसम्बर 2023
	अतिथि	: डॉ. पी.के. मिश्रा, श्री घनश्याम सोनी, डॉ. वंदना मेहता, डॉ. मुकेश कुमार राय, श्री संतोष मिश्रा, सुश्री अंजलि अरोड़ा, डॉ. मुक्ता भटेले, डॉ. सुनीता शर्मा, इं. प्रभात दुबे
	प्रतिभागियों की संख्या	: 123 विद्यार्थी एवं 200 अभिभावक
	स्थान	: गोविंद सिंह खालसा स्कूल, जबलपुर (म.प्र.)
		<p style="text-align: center;">सारांश</p> <p>विद्यार्थी विज्ञान मंथन (VVM), विज्ञान भारती का एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। जिसमें एक परीक्षा आयोजित कराई जाती है। जो तीन स्तरों पर होती है। जिला स्तर प्रदेश स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर यह कैप राज्य स्तरीय कैप है। जिन विद्यार्थियों ने जिला केन्द्रों पर परीक्षा देकर प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया है, ऐसे विद्यार्थी इस कैप में हिस्सा ले रहे हैं। इस कैप से स्थान प्राप्त विद्यार्थी प्रथम और द्वितीय राष्ट्रीय स्तर कैप में भाग लेंगे। आयोजित कैप में</p> <p>आयोजित बंजर में विद्यार्थियों ने लैब में प्रयोग किये एवं लिखित परीक्षा में भाग लिया। कार्य शाला में महाकौशल प्रांत के विभिन्न स्कूलों से विद्यार्थी की उपस्थित हुये। 03:00 से पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. पी.क. मिश्रा, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, विशिष्ट अतिथि श्री घनश्यामसोनी, जिलाशिक्षा अधिकारी, जबलपुर, डॉ. वंदना मेहता, टटड केन्द्रीय सदस्य, डॉ. सुनीता शर्मा, अध्यक्ष, महाकौशल विज्ञान परिषद्, इंजी. प्रभात दुबे, सचिव, टटड की प्रांत समन्वयक डॉ. मुक्ता भटेले, उपस्थित रह। कार्यक्रम का संचालन श्री सौरभ श्रीवास्तव ने किया।</p> <p style="text-align: center;">कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र</p>

16	शीर्षक	:	राष्ट्रीय गणित दिवस
	दिनांक	:	29 दिसम्बर 2023
	अतिथि	:	डॉ. नीलेश पाण्डे, डॉ. सुनीता शर्मा, डॉ. मृदुला दुबे
	प्रतिभागियों की संख्या	:	400
	स्थान	:	शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर
			कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र



17.	शीर्षक	:	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
	दिनांक	:	28 फरवरी 2024
	अतिथि	:	डॉ. एस. पी. गौतम, डॉ. भरत मिश्रा, डॉ. एस. एस. गौतम, श्री अंकित राय
	प्रतिभागियों की संख्या	:	350
	स्थान	:	चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट (म.प्र.)
	सारांश		
	<p>राष्ट्रीय विज्ञान दिवस विज्ञान भारती का वार्षिक कार्यक्रम है। जिसको विज्ञान भारती पूरे देश में आयोजित करती है। उसी क्रम में महाकौशल विज्ञान परिषद ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें यह कार्यक्रम महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम दो दिवसीय था जिसके प्रथम दिवस में विद्यार्थियों ने मॉडल की प्रदर्शनी लगाई थी। द्वितीय दिवस में विज्ञान दिवस पर उद्बोधन हुआ जिसमें प्रमुख रूप से महा.गा. चि.ग्रा. वि.वि. के कुलपति प्रो. आई. पी. त्रिपाठी जी, प्रो.पी.के. खरे जी, प्रो. एस.एस. गौतम जी एवं अंकित राय उपस्थित रहे कार्यक्रम में विद्यार्थी प्राध्यापक लगभग 300 की संख्या में उपस्थित रहे।</p> <p style="text-align: center;">कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र</p>		
	    		

18.	शीर्षक	:	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
	दिनांक	:	28 फरवरी 2024
	अतिथि	:	डॉ. सुनीता शर्मा, डॉ. आर के गुप्ता, डॉ. के के साहू
	प्रतिभागियों की संख्या	:	150
	स्थान	:	श्री तेग बहादुर खालसा कॉलेज, जबलपुर (म.प्र.)
	<p style="text-align: center;">सारांश</p> <p>श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय एवं महाकौशल विज्ञान परिषद जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में 28 फरवरी से 29 फरवरी 2024 तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन NCSTC, DST नई दिल्ली, MPCST, भोपाल के सौजन्य से किया गया इस वर्ष विज्ञान दिवस की थीम विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीकें ए रही। विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में आये सभी विद्वतजनों के द्वारा दिए गए व्याख्यान व विभिन्न महाविद्यालय से आये प्रतिभागी विद्यार्थियों की सहभागिता को सराहते हुए उनकी विस्तृत जानकारी दी, आपने कहा की विज्ञान जीवन का आधार है, विज्ञान सिर्फ एक विषय नहीं है, यह हमारे आसपास की घटना है, एक अंतर्राष्ट्रीय साहसिक कार्य है जो कभी ख़त्म नहीं होता, हमेशा कुछ न कुछ ऐसा होता है जो हम सभी के जीवन को उत्साहित रखता है। अतः आज के इस समारोह का मानाने का उद्देश्य विद्यार्थी जीवन में अविष्कार और नयी सोच को बढ़ावा देना है।</p> <p style="text-align: center;">कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र</p>		
	 		

19.	शीर्षक	:	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
	दिनांक	:	28 फरवरी 2024
	अतिथि	:	डॉ. सुनीता शर्मा, डॉ. मुक्ता भटेले, डॉ. मुकेश कुमार रॉय, डॉ. आरसी पांडे।
	प्रतिभागियों की संख्या	:	350
	स्थान	:	शासकीय कलानिकेतन पॉलिटेक्निक कॉलेज, जबलपुर (म.प्र.)

सारांश

कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र



20.	शीर्षक	:	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
	दिनांक	:	01 मार्च 2024
	अतिथि	:	डॉ. सुनीता शर्मा, डॉ. मुक्ता भटेले, डॉ. मुकेश कुमार राय, डॉ. आर.सी. पांडे
	प्रतिभागियों की संख्या	:	350
	स्थान	:	शासकीय आर्दश विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

सारांश

शासकीय विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर, महाकौशल विज्ञान परिषद एवं मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 1 मार्च को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया, विज्ञान दिवस की इस वर्ष की थीम विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीकी था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए मॉडल प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मॉडल की संख्या लगभग 70 रही जिनको तीन कैटेगरी में बांटा गया। पोस्टर में लगभग 50 विद्यार्थी शामिल हुए।

प्रतियोगिताओं के बाद पुरस्कार वितरण एवं समापन कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि डॉ नीलू सिंह वरिष्ठ वैज्ञानिक, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने कहा कि हमारे देश में देशज ज्ञान की कमी नहीं है जरूरत है उसको पहचानने की, भारत में हजारों वर्षों से हल्दी, नीम, तुलसी आदि औषधीय पौधों का उपयोग होता रहा है, भारत का योग, आयुर्वेद हजारों साल पुराना ज्ञान है। प्राचार्य डॉ ए एल महोबिया ने कहा कि कहा कि हमारे लिए अत्यंत गौरव की बात है कि डा सी वी रमन एशिया के पहले वैज्ञानिक थे जिन्हें नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ था, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सौच विकसित हो।

कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र



21.	शीर्षक	:	रामचरितमानस में विज्ञान विषय पर सम्मेलन
	दिनांक	:	16–17 मार्च 2024
	अतिथि	:	जगतगुरु रामानुजाचार्य श्री देवप्रापरप्रपन्नाचार्य युवराज स्वामीजी, डॉ. इलेश जैन, प्रो भरत मिश्र, प्रो शिशिर कुमार पांडेय, डॉ. संत प्रसाद गौतम, डॉ. सीता सरन गौतम, डॉ. सुनीता शर्मा
	प्रतिभागियों की संख्या	:	450
	स्थान	:	विद्या धाम सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट, चित्रकूट (म.प्र.)
			सारांश
			<p>हमारे देश में कहा जाता है, कि रामचरित मानस केवल आध्यात्मिक ग्रंथ है, परन्तु श्री रामचरित मानस आध्यात्मिक ग्रंथ के साथ-साथ पुरात्व विज्ञान से युक्त है। इसी के प्रचार – प्रसार हेतु इसकी वैज्ञानिक दृष्टिकोण बताने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें पण्डित, पुत्री कथावाचक एवं संस्कृत महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे जिनकी लगभग संख्या 450 रही।</p> <p>पूज्य पाद श्रीमद जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री देवप्रवरप्रपन्नाचार्य युवराज स्वामी पुरानी लंका चित्रकूट के मुख्यातिथ्य एवं डॉक्टर इलेश जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। विशिष्ट अतिथि कुलपतिद्वय प्रो भरत मिश्र महात्मागांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, प्रो शिशिर कुमार पांडेय जगद्गुरु श्री राम भद्राचार्य दिव्यांग राज्यविश्वविद्यालयचित्रकूटरहे। प्रो सुनीता शर्मा, प्राध्यापक शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर प्रांताध्यक्ष महाकौशल विज्ञान परिषद्जबलपुर एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो संतप्रसाद गौतम पूर्व कुलपति रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर एवं कार्यक्रम सहसंयोजक डॉ सीताशरण गौतम महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, मंचासीन रहे।</p>
			कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र
			